बृहत् कथाकोश (फोल्डर नं. ९६०६०)

रचयिता – श्री हरिषेणाचार्य

सम्पादक – ए. एन. उपाध्ये

मुख्य टाइटल

Singhi Jain Series – A Short History ---------- 3-10
Singhi Jain Series – A Review ---------- 11-14
Singhi Jain Series – Some Appreciations ---------- 15-16
Preface by the General Editor ---------- 17-18
Editor's Preface ---------- 19-20
Introduction ---------- 1-1222
Critical Apparatus and Text-constitution ---------- 1-6
Description of Mss and their Mutual Relation ---------- 1
Presentation of the Text ---------- 4
Numbering of the Stories ---------- 5
Narrative Tale in India ---------- 6-39
Vedic and Allied Literature ---------- 6
Sramanic Ideology : Ascetic Poetry ---------- 11
Early Buddhist Literature ---------- 15
Jaina Literature ---------- 17-39
Canonical Stratum ---------- 17
Post and Pro canonical Strata etc. ---------- 30
Later nTendencies and Types ---------- 35
Compilations of Kathanakas : A Survey ---------- 39-47
Aradhana and Aradhana Tales ---------- 47-72
Aradhana and Aradhana Texts ---------- 47
Bhagavati Aradhana ---------- 50
Commentaries on the Bhagavati Aradhana ---------- 55
Kathakosas Associated with the Bha. Aradhana ---------- 57-72
Sricandras Kathakosa in Apbhramsa ---------- 59
Prabhachandras Kathakosa in Sanskrit Prose ---------- 60
Nemidattas Kathakosa in Sanskrit Verses ---------- 69
Nayanandi's Aradhana and other A. Kathakosas ---------- 63
The Vaddaradhane in Old-Kannada Prose ---------- 63
Bha. Aradhana and the Dependant Kathakas ---------- 72-80
Harisena's Kathakosa – A Study ---------- 80-117
Name, Extent etc ---------- 80
Various Strata of the Contents etc ---------- 82
Cultural Heritage and Literary Kinship of this Work ---------- 84
Interesting Social, Historical etc. Bits of Information ---------- 87
Its Relation with other Kathakosas ---------- 90
On the Language of the Text ---------- 94
Orientalists on the Jaina Narrative Literature ---------- 113
Harisena, the Author : his place and date ---------- 117-122
बृहत्कथाकोशकथानकसूची ---------- १२३-१२८
श्रीहरिषेणाचार्यकृतं बृहत् कथाकोशम् ---------- १-३५६
राजकुमाराख्यानकम् ---------- १

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

विचिकित्सान्वितजयनिर्विचिकित्सविजयकथानकम्--- ७
श्रीसोमशर्मवारिषेणस्थिरीकरणकथानकम्-- १४
जिनमतश्रद्धानपरविनयंधरनृपकथानकम् -- २७
अभिनन्दमुन्यकालाध्ययनकथानकम् --- ३२
श्रीअर्थहीनकथानकम् -- ४०
श्रीवासुदेववैयावृत्यतीर्थकरगोत्रबन्धनकथानकम् -- ४८
श्री चोल्लकाख्यानकथानकम् --- ५९
श्रीअसत्यभाषणकथानकम् -- ६५
श्रीरुद्रदत्तप्रियाप्रबोधसम्यक्त्वयुक्तिकथानकम् --- ७६
महाभक्तिसमन्वितनागदत्तगोपालकपद्मैकफलसंभूतकर्कण्डमहाराजकथानकम् ----------------------- ८८
श्रीरोहिणीनक्षत्रोपवासैकफलसंभूताशोकरोहिणीकथानकम् -- ०१
श्रीद्रोणाचार्यसमन्वितक्षीरकदम्बम्लेच्छधनुर्वेदविद्यासमागमकथानकम् ---------------------------- १२०
श्रीदृढसूर्यचौरशूलिकानिहितपञ्चनमस्कारस्मरणमात्रदेवत्वप्राप्तिकथानकम् ----------------------- १३४
श्रीसौम्याब्राह्मणीसद्दर्शनसहितखण्डश्रीदृढसम्यक्त्वकारणं तृतीयकथानकम् ---------------------- १४७
श्रीमृगसेनधीवरमीनैकदयाकरसोमदत्तसंभवस्वदयारक्षणकथानकम् ------------------------------ १६६
श्रीसत्यव्रतयुक्तमातङ्गकथानकम् --- १८०
श्रीइन्द्रादिमुनिदत्ताविकृतिकथानकम् -- १९६
श्रीसीताहरणनिमित्तरावणवधसंबन्धरामायणकथानकम् -- २०८
श्रीसूरदत्तभूपतिसतीमहादेवीकथानकम्-- २१६
श्रीनीललोहितकथानकम् -- २३२
श्रीजिनदत्तनिवेदिततृतीयतापसगजकथानकम् -- २५२
श्रीउग्रसेनवधनिमित्तं वसिष्ठमुनिनिदानकरणकथानकम् ----------------------------------- २६७
श्रीमरीचिकथानकम् -- २८३
श्रीमहालोभसमन्वितमृगध्वजराजकथानकम् -- २९३
श्रीगजकुमारकथानकम् --- ३१४
अभयघोषमुनिकथानकम् -- ३२५
चाणाक्यमुनिकथानकम् -- ३३६
श्रीसुकोशलमुनिकथानकम् --- ३४६
प्रशस्तिः --- ३५५
कथाकोशे समुद्धृतानां पद्यानां वर्णानुक्रमसूची --- ३५७
कथाकोशगतिविशेषनाम्नां वर्णानुक्रमसूची --- ३५८-३७६
Notes-- 377-393
Index to Introduction--- 395-398
Corregenda -- 399-402

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org